bharatkhand

न्यूज़लेटर

फरवरी 2026 | द्वितीय अंक

भरतखंड किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड कंसोर्टियम

सहयोगी संस्था

Solidaridad

संपादकीय विचार

प्रिय पाठकों,

भरतखंड कंसोर्टियम न्यूज़लेटर के नए अंक में आपका स्वागत है।

भरतखंड, जो एक विचार के रूप में प्रारंभ हुआ था, वह अब ज़मीनी स्तर पर ठोस आकार ले रहा है। देवास में भरतखंड द्वारा आयोजित खरीदार- विक्रेता सम्मेलन इसी बदलाव का सशक्त उदाहरण है, जहाँ सोच अब प्रभाव में बदल रही है। इस अंक के माध्यम से आप देखेंगे कि यह आयोजन केवल एक पारंपरिक बाजार संवाद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नीति-संवाद और एक सशक्त कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बना।

भरतखंड की टीम अपने संबद्ध एफपीओ को मज़बूत करने, सहयोग बढ़ाने और नए अवसर सृजित करने के लिए निरंतर आगे बढ़ रही है। किसान अब बड़े मेलों और आयोजनों में आत्मविश्वास के साथ भाग ले रहे हैं, जहाँ वे अपनी उपज का प्रदर्शन और प्रत्यक्ष बिक्री कर रहे हैं। इस गति को भरतखंड हब्स का सक्रिय सहयोग मिल रहा है, जो किसानों को आवश्यक बुनियादी ढांचा और बाज़ार से जुड़ने का मंच प्रदान करते हैं।

न्यूज़लेटर का यह अंक भरतखंड के सभी चार स्तंभों- किसान क्षमता निर्माण, आपूर्ति श्रृंखला, कृषि बाज़ार और भरतखंड फूड्स - में हुई प्रगति को प्रदर्शित कर्ता है। यह दर्शाता है कि कैसे यह सभी स्तंभ मिलकर एक सशक्त, समन्वित और किसान-केंद्रित मॉडल का निर्माण कर रहे हैं।

इस अंक में शामिल विशेषज्ञों के विचार यह स्पष्ट करते हैं कि उद्योग जगत किस प्रकार किसानों से सीधे फसल खरीद की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला में विश्वास और पारदर्शिता मज़बूत हो रही है। वहीं, भरतखंड के सहयोग से कृषि बाज़ार विभिन्न मंचों पर अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है और एक भरोसेमंद बाज़ार इंटरफेस के रूप में अपनी भूमिका को और सुदृढ़ कर रहा है।

आशा है, यह अंक आपको पसंद आएगा।

डॉ. सुरेश मोटवानी
महाप्रबंधक, सॉलिडरीडाड

कौशल विकास और प्रशिक्षण स्तंभ अंतर्गत

किसान प्रक्षेत्र दिवस तकनीकी सलाह को परिणाम के रूप में बदलने का एक महत्वपूर्ण मंच है। इसका मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से नई सरसों की किस्मों को अपनाने में किसानों की क्षमता बढ़ाना है। इसमें नई किस्मों की जानकारी को व्यावहारिक मार्गदर्शन के साथ और विज्ञान आधारित कृषि प्रथाओं के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान दिया गया।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान सबसे महत्वपूर्ण यह देखने को मिला कि किसान बताई गई प्रथाओं को अपनाने में कितने सक्षम हो चुके हैं। कंडा टॉनिक, वर्मी कंपोस्ट, वर्मीवॉश, जीवामृत, फेरोमोन स्टिकी कार्ड और नीम का तेल जैसी प्राकृतिक तकनीकों का नियमित उपयोग दर्शाता है कि किसान अब रासायनिक उपायों की बजाय मिट्टी केंद्रित और रोकथाम आधारित खेती पर विश्वास करने लगे हैं। इन प्रथाओं से कीट नियंत्रण, मिट्टी की उर्वरता और फसल की मजबूती में सीधे सुधार हुआ है।

समय पर दी गई सलाह से किसान सरसों की टॉपिंग सही विकास चरण पर कर पाए, जिससे शाखाएँ बढ़ीं और संभावित उत्पादन में वृद्धि हुई। खेतों में दिखाई दे रही फसल की समानता और स्वास्थ्य यह स्पष्ट है कि लगातार मार्गदर्शन, मौसमी सलाह और फील्ड डेमोंस्ट्रेशन जो कि किसान समर्थन स्तंभ के मूल तत्व हैं, कितने प्रभावी हैं।

प्रक्षेत्र दिवस ने भरतखंड के लिए यह महत्वपूर्ण सीख भी दी: किसान-केंद्रित समर्थन तभी प्रभावी होता है जब ज्ञान व्यावहारिक, समय पर और स्थानीय तौर पर मान्य हो। जमीनी स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करके किसानों को सुदृढ़, लागत-कुशल और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन प्रणाली की दिशा में बढ़ने में मदद कर रहा है।

एफ.पी.ओ को बाज़ार और कृषि-उद्योग से जोड़ने की पहल

भरतखंड एफ.पी.ओ एवं किसान मेला 2026
04 फ़रवरी 2026, केवीके, देवास

किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) तभी मज़बूती से आगे बढ़ते हैं, जब उन्हें बाज़ार से सीधा और भरोसेमंद जुड़ाव मिलता है। भरतखंड एफ.पी.ओ एवं किसान मेला ऐसा ही एक मंच रहा, जो इस बदलाव को संभव बनाता है। यह मेला केवल एक आयोजन नहीं था, बल्कि किसानों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने, एफ.पी.ओ को सशक्त बनाने और कृषि मूल्य श्रृंखला में भरोसेमंद साझेदारियाँ बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बना।

एफ.पी.ओ के विकास, आपसी सहयोग और बाज़ार से जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित मंच

विषय आधारित ज्ञान सत्र

- एफ.पी.ओ और पुनर्योजी (रेजेनरेटिव) कृषि के लिए सरकारी योजनाएँ और संस्थागत सहयोग
- टिकाऊ और पुनर्योजी सप्लाई चेन तथा एकत्रीकरण (एग्रीगेशन) के मॉडल
- भरतखंड कृषि बाज़ार के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण कृषि इनपुट, जैव-इनपुट और सलाह सेवाएँ
- एफ.पी.ओ को मज़बूत करने के लिए वित्त, भंडारण और लॉजिस्टिक्स से जुड़े समाधान

प्रतिभागी

- किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ) और कृषि उद्यमी
- प्रमुख कृषि-व्यवसाय कंपनियाँ, प्रोसेसर और खरीदार
- बैंक, एनबीएफसी और प्रभाव आधारित वित्तीय संस्थान
- सीएसआर फाउंडेशन और संबंधित सरकारी विभागों के प्रतिनिधि

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता

इस आयोजन ने यह साफ़ दिखाया कि अब एफपीओ को मज़बूत करने के लिए अलग-अलग प्रयासों की जगह एक साथ मिलकर काम करने का तरीका अपनाया जा रहा है। इस पहल में ज़िला प्रशासन की सक्रिय भागीदारी रही और कृषि, उद्यानिकी, कृषि विज्ञान केंद्र तथा आयुष जैसे विभागों की मौजूदगी ने यह साबित किया कि किसानों और एफपीओ को समग्र सहयोग देने के लिए सरकारी स्तर पर मज़बूत तालमेल बन रहा है।

- इस आयोजन में बाज़ार से सीधा जुड़ाव सबसे अहम विषय के रूप में सामने आया। सोया प्रोसेसर्स एसोसिएशन (SOPA) की यह प्रतिबद्धता कि सोया उद्योगों को सीधे एफपीओ से जोड़ा जाएगा, एकत्रीकरण और खरीद की प्रक्रिया को मज़बूत करती है। इससे किसानों और एफपीओ को बेहतर दाम मिलने में मदद मिलेगी और बिचौलियों पर निर्भरता भी कम होगी।
- वहीं, NAFED की भागीदारी ने एफपीओ को संस्थागत भरोसा दिया। एफपीओ को फ़ाउंडेशन और प्रमाणित बीजों के मान्यता प्राप्त उत्पादक और आपूर्तिकर्ता के रूप में सूचीबद्ध करने पर सहमति देकर NAFED ने उनके लिए सुनिश्चित बाज़ार, सरकारी योजनाओं और राष्ट्रीय स्तर के वितरण नेटवर्क तक पहुँच का रास्ता खोला। इससे एफपीओ की व्यावसायिक क्षमता को काफ़ी मजबूती मिलेगी।

- राष्ट्रीय किसान-संचालित सहकारी संस्थाओं जैसे इफको और नाफेड की भागीदारी ने किसान संस्थाओं की महत्ता पर जोर दिया। इफको किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण इनपुट और कृषि समाधान उपलब्ध कराता है, जबकि नाफेड बाज़ार स्थिरता, मूल्य समर्थन और बीज आधारित व्यावसायिक अवसरों को मजबूत करता है।
- प्राइवेट कृषि कंपनियाँ जैसे बेयर, UPL, ग्रोइन्डिगो, कोरोमंडल इंटरनेशनल और कृषि रसायन किसानों को किफायती इनपुट और समाधान दे रही है, जो पुनर्योजी कृषि को अपनाने में मदद करते हैं। यह दर्शाता है कि उद्योग भी टिकाऊ और FPO-केंद्रित मॉडलों के साथ कदम मिला रहा है।
- राहेजा सोलर फ़ूड प्रोसेसिंग प्रा. लि. ने मूल्य संवर्धन के अवसर दिखाए, जैसे कि नवीकरणीय ऊर्जा आधारित प्रोसेसिंग हब्स, जो फलों और सब्ज़ियों को सुखाने और प्रसंस्करण में मदद करते हैं। इससे पोस्ट-हार्वेस्ट नुकसान कम होता है और किसानों की आय बढ़ती है।
- साथ ही, द्वारा e- Registry जैसी संस्थाओं ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया, जिससे किसान और एफपीओ को आसानी से वित्त की उपलब्धता हो सके।

भरतखंड एफपीओ एवं किसान मेले में सतत कृषि एवं नवाचार की प्रदर्शनी

सतत कृषि हेतु साझा संकल्प

भरतखंड एफपीओ एवं किसान मेले के प्रदर्शनी भाग में सहभागी संस्थाओं और शासकीय विभागों ने प्रदर्शनी स्थल को एक जीवंत ज्ञान मंच में परिवर्तित कर दिया, जहाँ नवाचार और किसान कल्याण का समन्वय स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। यह केवल उत्पादों का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि सतत और किसान-केंद्रित कृषि विकास के प्रति एक साझा संकल्प का प्रतीक था।

IFFCO ने अपने स्टॉल पर सतत कृषि को बढ़ावा देने वाले नवीन कृषि इनपुटस का प्रदर्शन किया। नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, जैव उर्वरक एवं जैव-उत्तेजक (बायो-स्टिमुलेंट्स) जैसे उत्पादों ने पोषक तत्वों की दक्षता बढ़ाने, रासायनिक भार कम करने और खेती की लागत घटाने की संभावनाओं को दर्शाया। लाइव प्रदर्शन एवं तकनीकी संवाद के माध्यम से IFFCO ने किसानों और एफपीओ प्रतिनिधियों को जलवायु-स्मार्ट एवं संसाधन-कुशल कृषि पद्धतियाँ अपनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया, जो पुनर्योजी (रेजेनरेटिव) कृषि विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

UPL ने उन्नत फसल सुरक्षा समाधान, जैविक उत्पाद एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया। स्टॉल पर एकीकृत कीट प्रबंधन (IPM) दृष्टिकोण, जैव-समाधान और नवीन फॉर्मुलेशन प्रस्तुत किए गए, जो फसल हानि को कम करने, गुणवत्ता सुधारने और जिम्मेदार इनपुटस उपयोग सुनिश्चित करने में सहायक हैं। तकनीकी मार्गदर्शन और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से UPL ने किसानों और एफपीओ आधारित मूल्य श्रृंखलाओं के लिए सतत फसल प्रबंधन के महत्व को रेखांकित किया।

कोरोमंडल ने अपने स्टॉल पर पौध पोषण एवं फसल सुरक्षा समाधानों की व्यापक श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसमें उर्वरक, विशेष पोषक तत्व, जैव-कीटनाशक और जैविक उर्वरक शामिल थे। तकनीकी विशेषज्ञों ने संतुलित पोषण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और जिम्मेदार फसल सुरक्षा रणनीतियों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इससे दीर्घकालिक उत्पादकता और मृदा उर्वरता बनाए रखने में समेकित पोषण प्रबंधन की आवश्यकता को बल मिला।

निरतर...

KREPL ने अपने स्टॉल पर फसल सुरक्षा एवं पौध पोषण से जुड़े उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसमें जिम्मेदार कीट एवं रोग प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। इसका प्रमुख आकर्षण 'संकल्प मॉडल' रहा, जो कृषि रसायनों के सुरक्षित एवं संतुलित उपयोग, सही मात्रा और उचित छिड़काव विधियों के प्रति जागरूकता तथा सतत फसल प्रबंधन पद्धतियों को बढ़ावा देता है। विशेषज्ञ परामर्श एवं प्रदर्शन के माध्यम से KREPL ने यह संदेश दिया कि उत्पादकता, सुरक्षा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी साथ-साथ चल सकते हैं।

इसी क्रम में **Grow Indigo Biologicals** ने अपने नवाचार, सुरक्षित एवं प्रभावी जैविक कृषि इनपुटस की श्रृंखला का प्रदर्शन किया। बीज उपचार और मृदा समृद्धि से लेकर पौध वृद्धि, फसल सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन तक पूरे फसल चक्र को ध्यान में रखते हुए समग्र समाधान प्रस्तुत किए गए। स्टॉल पर समेकित फसल प्रबंधन की ऐसी अवधारणा को रेखांकित किया गया, जो उत्पादकता बढ़ाने, जलवायु लचीलापन सुदृढ़ करने, रासायनिक निर्भरता घटाने और सतत कृषि को प्रोत्साहित करने में सहायक है।

प्रदर्शनी में प्रमुख शासकीय विभागों की सक्रिय भागीदारी भी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। **कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, तथा उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग** ने अपने स्टॉल स्थापित कर विभिन्न शासकीय योजनाओं, प्रमुख कार्यक्रमों और किसान हितैषी पहलों की जानकारी प्रदान की। इन स्टॉलों ने सूचना एवं मार्गदर्शन केंद्र के रूप में कार्य करते हुए किसानों और एफपीओ प्रतिनिधियों को अनुदान योजनाओं, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा, पीएम-किसान, प्राकृतिक खेती अभियानों तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों और विशेषज्ञों से सीधे संवाद के माध्यम से किसानों को पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया और उपलब्ध लाभों की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई, जिससे उनकी उत्पादकता और आय सुरक्षा को सुदृढ़ करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

क्षेत्रीय एफपीओ विकास की नई दिशा

भरतखंड एफ.पी.ओ का केंद्रीय सहयोगी

देवास, उज्जैन, मंदसौर और रतलाम में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को मजबूत करने पर हुई चर्चा से एक महत्वपूर्ण बात सामने आई: अलग-अलग प्रयासों से किसान की आय सीमित रहती है, जबकि संगठित और समन्वित संस्थागत ढांचे उन्हें बड़े पैमाने, कुशलता और बाज़ार में सशक्त बना सकते हैं।

भरतखंड एफपीओ अब सिर्फ़ एक सामान्य एफपीओ नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और समन्वय का केंद्रीय मंच बनकर इस कमी को पूरा करने की दिशा में बढ़ रहा है।

चर्चाओं में यह स्पष्ट हुआ कि एफपीओ के बीच समान रूप से तकनीकी जानकारी, व्यापार योजना और बाज़ार तक पहुँच नहीं है। भरतखंड एफपीओ, तकनीकी विशेषज्ञता, संरचित व्यापार मार्गदर्शन और सामूहिक बाज़ार सहभागिता प्रदान करते हुए साझा रूप से एक केंद्रीय सहायक प्रणाली के रूप में काम करके इन असमानताओं को कम कर सकता है। यह तरीका एफपीओ के विकास को अलग-अलग उद्यम मॉडल से निकालकर नेटवर्केड वैल्यू-चेन रणनीति की ओर ले जाता है।

चर्चा के दौरान तैयार किए गए मल्टी-बिज़नेस प्लान से एक अहम बदलाव सामने आय है: एफपीओ की स्थिरता अब एकल फसल पर निर्भरता से नहीं, बल्कि विविध आय स्रोतों पर निर्भर करती है। इन व्यापार योजनाओं को भरतखंड एफपीओ के साथ जोड़ने से एफपीओ को एकत्रीकरण, जोखिम साझा करना और बेहतर सौदेबाजी की ताकत मिलती है, जो सीधे किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करती है।

कृषि बाजार राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन
बाज़ार को पुनर्योजी उत्पादन से जोड़ने की कृषि बाज़ार की पहल

कृषि बाजार और राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन: कृषि बाजार की भागीदारी ने यह स्पष्ट किया कि किसान-नेतृत्व वाले मंच भारत में दलहन आत्मनिर्भरता बढ़ाने में कितने अहम हैं। यह राष्ट्रीय परामर्श और रणनीति बैठक राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सीहोर (मध्यप्रदेश) में आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहनलाल यादव के साथ वरिष्ठ अधिकारी और संस्थागत प्रतिनिधि उपस्थित थे, जो किसान-केंद्रित और सतत बाज़ार मॉडल के प्रति मजबूत नीति को दर्शाता है।

इस अवसर पर कृषि बाजार ने बायो-इनपुट्स और पुनर्योजी कृषि का समर्थन करने वाले समाधानों की प्रदर्शनी लगाई । यह दर्शाता है कि फसल उत्पादन केवल अधिक पैदावार तक सीमित नहीं है, बल्कि मिट्टी की सेहत, लागत-कुशलता और दीर्घकालिक स्थिरता पर भी ध्यान देना ज़रूरी है। मंच ने यह भी दिखाया कि पुनर्योजी इनपुट्स का इस्तेमाल करके लागत कम की जा सकती है और उत्पादन बनाए रखा जा सकता है, जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन, आत्मनिर्भर भारत के विज़न के तहत, भारत को दलहन में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखता है। इसके लिए उत्पादन बढ़ाना, गुणवत्तापूर्ण इनपुट्स उपलब्ध कराना और टिकाऊ, लचीली कृषि प्रणाली अपनाना आवश्यक है। भारतीयखण्ड की पहल, खासकर कृषि बाजार के माध्यम से, इस उद्देश्य के साथ पूरी तरह मेल खाती है। किसानों को किफायती बायो-इनपुट्स तक पहुँच देने और पुनर्योजी प्रथाओं को बढ़ावा देने के जरिए, कृषि बाजार उत्पादन बढ़ाने में मदद करता है, बिना मिट्टी की सेहत को नुकसान पहुंचाए।

इस कार्यक्रम से एक महत्वपूर्ण सीख भी मिली: राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता केवल उत्पादन लक्ष्य से नहीं आती, बल्कि ऐसे बाज़ार प्रणाली की जरूरत है जो किसानों को टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करें। कृषि बाजार का मॉडल सुलभता, किफायती दर और कृषि विज्ञान आधारित समाधान दिखाता है कि किसान-केंद्रित बाज़ार मंच कैसे राष्ट्रीय कृषि मिशनों को आगे बढ़ा सकते हैं और दीर्घकालिक किसान स्थिरता को सुनिश्चित कर सकते हैं।

भरतखंड – सुरक्षित और सतत खाद्य प्रणालियों का स्तंभ

भरतखंड फूड्स ने Greenera से जुड़कर अपने इकोसिस्टम का विस्तार किया है। यह स्टार्टअप टिकाऊ और किसान आधारित खाद्य प्रणालियों को आगे बढ़ाने के लिए भरतखंड के साथ मिलकर काम करेगा।

Greenera Organics के साथ भरतखंड की साझेदारी किसानों को सशक्त बनाने, बेहतर सोर्सिंग और टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखला के साझा उद्देश्य पर आधारित है। Greenera Organics शुद्धता और जिम्मेदार पोषण में विश्वास रखता है, जो FPOs को मजबूत करने और किसानों को निष्पक्ष व पारदर्शी बाजार से जोड़ने के भरतखंड के मिशन को आगे ले जाता है।

Greenera Organics उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य तेलों के साथ-साथ शुद्ध मसाले, शहद, दालें, पौष्टिक आटा और पारंपरिक अचार का उत्पादन करता है। यह पहल किसान-नेतृत्व वाले और मूल्यवर्धित उद्यमों को बढ़ावा देने के भरतखंड के विज़न से पूरी तरह मेल खाती है। किसानों और महिला-नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों से सीधे उत्पाद लेकर Greenera किसानों की आजीविका को मजबूत करता है, पारंपरिक तरीकों को संरक्षित करता है और उपभोक्ताओं तक शुद्ध, भरोसेमंद उत्पाद पहुँचाता है। इस सहयोग के माध्यम से भरतखंड FPOs और ग्रामीण उद्यमियों को Greenera जैसे उद्देश्य-प्रधान ब्रांड से जोड़ने का एक सशक्त मंच प्रदान करता है, जिससे किसान कच्चे उत्पाद बेचने तक सीमित न रहकर मूल्यवर्धित बाजारों तक पहुँच बना सकें।

Contacts

Bharatkhand Hub Zonal Offices

Bhopal	Bharatkhand Consortium of Farmers Producer Company Limited. D/67, BDA Colony, Kohefiza, Bhopal, Madhya Pradesh - 462001	Mr. Himanshu Bains +91 9009923816 Ms. Anvesha Singh +91 9406779242
Sehore	H.N- 619, Near Nalanda School, Chanakyapuri Sehore Madhya Pradesh 466001	Ms. Namrita Bhanweriya +91 9644195248
Mandsour	HIG-17, Gandhi Nagar, Mandsaur Madhya Pradesh- 458001	Mr. Arvind Patidar +91 7566652686
Dewas	Bharatkhand Hub 48, Ram Nagar, Dewas Madhya Pradesh- 455001	Ms. Purva Wadwekar +91 9171251979
Tarana	H.No. 30 Krishna Kunj Vihar Colony Rupakhedi Road Tarana, Ujjain, Madhya Pradesh- 456665	Mr. Sandeep Mishra +91 9450707018